परेशानी

स्थानीय लोगों ने ज़ाहिर की नाराजगी

दयानंद सरस्वती वार्ड में गंदगी और रोज लगते जाम से लोग परेशान

जबलपुर, नवभारत। शहर का वार्ड क्रमांक 33 दयानंद सरस्वती वार्ड इन दिनों कई समस्याओं से घिरा हुआ है। यहां की सफाई व्यवस्था और आज के ट्रैफिक के सामने छोटी पड़ चुकी सड़के आए दिन जाम का कारण बन रही है। जिसको लेकर नवभारत द्वारा की गई जांच पड़ताल में कई गंभीर समस्याएं निकलकर सामने आईं। स्थानीय निवासियों ने वार्ड की व्यवस्थाओं को लेकर नाराज़गी जताई। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में कचरा उठाने वाली गाड़ी नियमित रूप से नहीं आती है, जिससे वार्ड में गंदगी फैल रही है। साथ ही, सड़को की सफाई व्यवस्था भी बेहद अनियमित बताई गई। खासकर भंवरताल पार्क और आसपास के बाजार क्षेत्र के दुकानदारों को इससे काफी परेशानी हो रही है। यही नहीं कई

बार तो नालियां जाम हो जाती हैं, जिससे बदबू और गंदगी की समस्या और बढ़ जाती है।

ट्रैफिक व्यवस्था बनी बड़ी समस्या

नवभारत द्वारा की गई वार्ड वासियों से बातचीत में यह भी सामने आया कि क्षेत्र में ट्रैफिक की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। अक्सर चौथे पुल से रसल चौक, शास्त्री पुल मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है। स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि पास ही स्थित निजी अस्पताल तक जाने वाली एम्बुलेंस को भी आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

नहीं उठता कचरा

दयानंद सरस्वती वार्ड के नाराज वार्ड वासियों ने नवभारत को बताया कि वार्ड में कचरा उठाने वाली गाड़ियां सिर्फ दिन में एक बार ही चक्कर लगाती है। जिसके चलते वार्ड के अधिकांश इलाकों में कचरा यहां वहां फैला रहता है। वही नाम न छापने की शर्त में एक वार्डवासी ने बताया कि वार्ड के पार्षद भी वार्ड का चक्कर लगाते कभी नहीं दिखते है। परिणाम स्वरुप वार्ड में गंदगी का फैलना लाजमी है।

इनका कहना है

सफाई व्यवस्था सही से ना होने के कारण लोगों में बहुत नाराज़गी है, कचरा समय पर नहीं उठ रहा और ट्रैफिक जाम के कारण आमजन के साथ एम्बुलेंस भी प्रभावित हो रही है।

केशव जैसवाल

मैं यहाँ कभी कभी आता हूँ पर फिर भी ट्रैफ़िक के वजह से मुझे गाड़ी खड़े करने में बहुत दिक्कत होती है।

गुलरेज़ अली

सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए टीम को निर्देश किया गया है। जल्द ही सफाई कराई जाएगी और सड़को को साफ करने एवं नालियों की समस्या का समाधान किया जाएगा।

लवलीन आनंद, पार्षद, दयानंद सरस्वती वार्ड

बिजली कटौती को लेकर फूटा लोगों का गुस्सा

जबलपुर, नवभारत। शहर इन दिनों भीषण गर्मी के साथ-साथ गंभीर बिजली संकट से जूझ रहा है। पिछले एक सप्ताह से शहर के आधे हिस्से में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती ने आमजन का जीना मुश्किल कर दिया है। घंटों तक बिजली गुल रहने से जहां लोग गर्मी से बेहाल हैं, वहीं पानी की किल्लत और रोजमर्रा के कामकाज भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। लगातार हो रही परेशानी के कारण लोगों में गुस्सा धीरे-धीरे उबल रहा था, जो शनिवार देर रात सड़कों पर फूट पड़ा। शनिवार देर रात बड़ी संख्या में नाराज उपभोक्ता उखरी स्थित पावर हाउस पहुंच गए। यहां लोगों ने बिजली व्यवस्था को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। गुस्साए लोगों ने अधिकारियों और कर्मचारियों से जवाब मांगते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों और बिजली विभाग के कर्मचारियों के बीच तीखी बहस

शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

कटौती पर रोक लगाई जाए

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार को मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा था, जिससे उनका धैर्य जवाब दे गया। वहीं कर्मचारियों का कहना है कि तकनीकी खामियों और लोड बढ़ने के कारण समस्या उत्पन्न हो रही है। लेकिन इस बहस ने हिंसक रूप ले लिया, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए। स्थानीय लोगों की मांग है कि बिजली कटौती पर तुरंत रोक लगाई जाए और नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और उग्र हो सकता है। बता दे कि पावर हाउस में हंगामे के बाद आक्रोशित लोग माढ़ोताल स्थित बिजली कार्यालय पहुंच गए और वहां सड़क पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। अचानक हुए इस विरोध के चलते यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

दो सरकारी स्कूलों की तस्वीरे अलग-अलग

सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन खराब, छात्राएं परेशान

नवभारत, जबलपुर। शहर के सरकारी स्कूलों की व्यवस्थाएं इन दिनों पटरी से उतर चुकी हैं। शनिवार को नवभारत के द्वारा की गई पड़ताल में कई चौंकाने वाली ख़बरें निकलकर सामने आई। शहर के दो प्रमुख विद्यालयों में से एक ब्यौहारबाग स्थित एकीकृत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और अम्बेडकर चौक स्थित पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय मॉडल हाई स्कूल दोनों में ही सुविधाओं और व्यवस्थाओं में जमीन-आसमान का अंतर दिखाई देता है। बात करे अगर एकीकृत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ब्यौहारबाग) की तो यहाँ करीबन 700 छात्राएं अध्ययनरत है एवं 35 शिक्षक कार्यरत हैं। यहां छात्राओं के लिए लगाई गई सैनिटरी पैड मशीन तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ी है, जिसे सुधार के लिए भेजा गया है, लेकिन यह कब तक ठीक होगी, इसका स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका है।

बाथरूमों की हालत खराब

दोनों ही स्कूलों में सबसे गंभीर स्थिति वॉशरूम की है, जहां गंदगी, सीलन और रखरखाव की भारी कमी देखने को मिली। विद्यालय के स्टाफ द्वारा बताया गया की मरम्मत का कार्य लगने वाला है जिसके चलते अभी थोड़ी अस्त व्यस्त स्थिति बनी हुई है। वही दूसरी ओर पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय मॉडल हाई स्कूल (अम्बेडकर चौक) में व्यवस्थाओं को बेहतर करने के प्रयास नजर आ रहे हैं। यहां साफ-सफाई का कार्य लगातार जारी है और परिसर को व्यवस्थित करने की दिशा में काम किया जा रहा था। छात्राओं की सुविधा के लिए स्कूल में सैनिटरी पैड मशीन पिछले महीने ही लगवाई गई है। जिससे जरूरत के समय पैड आसानी से मिल जाते हैं। इसके अलावा, मॉडल हाई स्कूल में स्थित गार्गी गर्ल्स हॉस्टल में भी यह सुविधा मौजूद है, जो छात्राओं के लिए राहत का कारण है। मॉडल हाई स्कूल में सुधार के प्रयास जारी हैं जैसे साफ सफाई को लेकर पूर्ण संतोषजनक स्थिति बनी हुई है। लेकिन यहाँ भी निरंतर निगरानी और रखरखाव की आवश्यकता है।

संदीप जैन को मिली जेडीए की कमान, बने अध्यक्ष

प्रशांत केसरवानी को बनाया गया उपाध्यक्ष

जबलपुर। लंबे समय से अध्यक्ष विहीन चल रहे जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्षीय चेंबर की कमान वरिष्ठ भाजपा नेता समरसता सेवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष संदीप जैन को मिल गई है। उन्हें जेडीए अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, साथ ही प्रशांत केसरवानी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। राजनीतिक सफर के दौरान पार्टी संगठन में कई अहम जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले संदीप जैन की जेडीए अध्यक्ष की नियुक्ति विकास को लेकर काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का भी माहौल देखा जाने लगा है।

ऐसा रहा है इतिहास, सात साल बाद मिला है अध्यक्ष

विदित हो कि जबलपुर विकास प्राधिकरण में सात वर्ष पूर्व

जेडीए के अध्यक्ष डॉ. विनोद मिश्रा आखिरी अध्यक्ष रहे। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विनोद मिश्रा को अपने पहले कार्यकाल में जेडीए का अध्यक्ष बनाया था। जब कांग्रेस सरकार आई तो जेडीए में किसी को अध्यक्ष नहीं बनाया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दूसरे कार्यकाल में भी किसी जनप्रतिनिधी को जेडीए का अध्यक्ष नहीं बनाया था। सात साल के लंबे इंतजार के बाद जबलपुर विकास प्राधिकरण को नया अध्यक्ष मिला है। लंबे समय से अध्यक्ष विहीन चल रहे जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्षीय चेंबर में रौनक लौटेंगी।

कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल

अनुभवी और सक्रिय नेताओं में शुमार संदीप जैन विद्यार्थी परिषद से वे पार्टी विचारधारा से जुड़े थे और फिर युवा मोर्चा, नगर भाजपा में रहते हुए विभिन्न दायित्वों का पालन किया। मीडिया प्रभारी के तौर पर उनका कार्यकाल प्रदेश भर में चर्चित रहा। बाद में मां नर्मदा की प्रेरणा से वे समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय थे और समरसता के लिए काम करने के विचार के तहत तीन वर्ष पहले समरसता सेवा संगठन का गठन किया। तीन वर्ष पूर्व सामाजिक समरसता सेवा संगठन का गठन किया था और इस संगठन के माध्यम से उन्होंने लगातार कई बड़े धार्मिक आयोजन भी किए हैं। अब शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है। जिसको लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। जैन के अध्यक्ष बनने की खबर आते ही जैन के समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई थी बधाईयों का दौर शुरू हो गया था । अब उनके मार्गदर्शन में शहर के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री से की भेंट, अभिनंदन कर जताया आभार

जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के उपरांत नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप जैन ने भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया, एवं उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि नवीन दायित्व प्रदान करने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ सभी वरिष्ठ जनों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आप सभी के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से जबलपुर के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का प्रयास करूंगा।

हृदय विदारक दुर्घटना से मन व्यथित, जश्न नहीं मनाये

संदीप जैन ने शुभचिंतको, स्नेहिजनों एवं पार्टी के कार्यकर्त्ताओ से विनम्र आग्रह करते हुए कहा कि विगत दिनों हमारे जबलपुर के बरगी में जो हृदय विदारक दुर्घटना हुई है उससे हम सभी का मन व्यथित है, इसीलिए नियुक्ति के उपरांत किसी तरह भी तरह का स्वागत समारोह , रैली ,जुलूस आदि उपयुक्त नहीं है, मेरा ऐसा मानना है कि आपकी शुभकामनायें सदैव मेरे साथ है।

बेलगाम रफ्तार : सड़क हादसों में चार की मौत

जबलपुर । शहर से लेकर ग्रामीण अंचल में बेलगाम रफ्तार ने कहर बरपाया। सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई । ये सड़क हादसे बरेला, पनागर, मझोली में हुए है। पुलिस ने चारों ही मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है । पनागर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गोसलपुर थाना अंतर्गत मोहतरा निवासी वीरेंद्र चौधरी ने सूचना दर्ज कराई कि बीत रात उसके बड़े भाई अमरदीप चौधरी (35) रिश्ते के जीजा मंगली चौधरी (42) और रामचरण चौधरी एक्टिवा क्रमांक एमपी 20 जेड आर 8770 से पनागर जा रहे थे। वे एक लगुन के कार्यक्रम में शामिल होने निकले थे। रात्रि करीब 9 बजे जब उनकी एक्टिवा एन एच 30 पर बंजारी माता मोड़ के पास पहुँची, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सड़क किनारे जा गिरे। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुँचे और एम्बुलेंस की मदद से तीनों को मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुँचते ही डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मंगली चौधरी को मृत घोषित कर दिया। वहीं अमरदीप और रामचरण चौधरी की हालत नाजुक बनी हुई है, जिनका इलाज जारी है। इसी प्रकार पनागर के बघेली मोड़ पर हुए एक अन्य सड़क हादसे में घायल अंकित यादव की मौत हो गई।

ट्रैक्टर पलटा, चार दबे, एक की मौत

बरेला थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चार लोग दब गए जिनमें से एक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सतीष यादव निवासी ग्राम बिलहरी ने बताया कि उसकी नानी सत्तो बाई, राधा बाई, अनिता बाई यादव एवं अन्नू यादव सभी शाम 5 बजे खेत जा रहे थे उसी समय आंधी तूफान आया तो सभी रोड किनारे खडे हो गये तभी बिलहरी का नीलेश श्रीपाल ट्रैक्टर लेकर वहीं से तेजी से निकल रहा था तभी आंधी तूफान आने के कारण अचानक तेजी से ब्रेक लगाया जिससे अनियंत्रित होकर टैक्टर रोड किनारे खडे उसकी नानी व अन्य के उपर पलट गया जिससे चारों नीचे दब गये व सभी को गम्भीर चोटे आ गयी सभी को उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया जहॉ घायल राधा बाई, अनिता बाई यादव एवं अन्नू यादव को उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया। उसकी नानी सत्तो बाई 75 वर्ष निवासी ग्राम बिलहरी बरेला को मृत घोषित कर दिया।

खुशियां मातम में बदली, युवक की मौत

मझौली थाना अंतर्गत बुडरई में एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक एक शादी समारोह में शामिल होने गया था, तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी जान चली गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरौदा निवासी अनिल सिंह राजपूत (40) ग्राम बुडरई में बब्बू राजपूत के यहाँ आयोजित विवाह कार्यक्रम में शामिल होने गया था। वैवाहिक रस्मों के बीच देर रात करीब 12:15 बजे ग्राउंड के पास मुख्य सड़क पर अनिल सिंह किसी दुर्घटना का शिकार हो गया। अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। हादसे की जानकारी परिजनों को तब मिली जब रात करीब 12:30 बजे बुडरई निवासी गुमान राजपूत ने फोन कर सूचना दी। खबर मिलते ही मृतक का भाई पुष्पराज सिंह अपने साथी सतेंद्र राजपूत के साथ मौके पर पहुँचा। वहाँ अनिल सिंह सड़क किनारे अचेत अवस्था में पड़े थे। उनके सिर, सीने और हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई थीं। परिजन तत्काल घायल अनिल को लेकर शासकीय अस्पताल मझौली पहुँचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ब्रम्हपुरी स्टेशन तक चलेगी जबलपुर गोंदिया पैसेंजर

जबलपुर, नवभारत। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन की 18 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। इनमें रायपुर मंडल की 8 पैसेंजर ट्रेनें और नागपुर मंडल की 10 ट्रेनें शामिल है। गाडियों के रद्द होने से जबलपुर से चलने वाली जबलपुर-गोंदिया-जबलपुर पैसेंजर भी प्रभावित हुई है। रेलवे के मुताबिक, नागपुर मंडल के गोंदिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर मेंटनेंस का काम किया जाना है। इस काम के चलते गोंदिया के प्लेटफॉर्म नंबर-4 (डाउन मेन लाइन) करीब 20 दिनों तक बंद रहेगी। इसी वजह से गाड़ी संख्या 51707-08 जबलपुर-गोंदिया-जबलपुर पैसेंजर अब गोंदिया नहीं जायेगी, ये गाड़ी ब्रम्हपुरी स्टेशन तक ही चलेगी और वहीं से 3 मई से 22 मई तक वापस लौटेगी।

टाइल्स शोरूम में हंगामा, तोड़फोड़

जबलपुर। विजय नगर थाना अंतर्गत जीरो डिग्री स्थित टाइल्स शोरूम में अधिवक्ताओं और संचालक के बीच हुए विवाद के बाद हंगामा खड़ा हो गया। दोनों आमने-सामने आए गए। इसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में कहासुनी से शुरू हुआ विवाद मारपीट, तोड़फोड़ तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार विजय नगर थाना अंतर्गत जीरो डिग्री के पास हरिशोभा टाइल्स है। जिसके संचालक राजा तिवारा है। जेडीए स्कीम नंबर 41 में उनकी दुकान है। उनकी दुकान के बगल में एक पांच मंजिला भवन लोहा व्यापारी एकांश डेगरा बना रहे है जिसके निर्माण कार्य के दौरान उनकी दुकान क्षतिग्रस्त हो गई थी। साथ ही निर्माणाधीन भवन में गिर रहे पानी को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि एकांश अपने साथियों के साथ पहुंचा और शोरूम में तोड़फोड़ कर संचालक से मारपीट की। वहीं एकांश का आरोप है कि वे संचालक से बातचीत करने लग थे लेकिन संचालक ने उनके साथ मारपीट करते हुए उनके वाहन में तोड़फोड़ की है । मारपीट, तोड़फोड़ के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे थे। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों ने शिकायतें की है जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी ।

घर में घुसकर युवक को पीटा कार में तोड़फोड़ कर धमकाया

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत मडई चौधरी मोहल्ला में तीन हमलावरों ने एक युवक के घर में घुसकर न केवल उसके साथ मारपीट की, बल्कि आंगन में खड़ी उसकी कार को भी निशाना बनाया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आई महिलाओं के सामने ही आरोपियों ने युवक पर ईंट से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक मडई निवासी महेंद्र सूर्यवंशी (27) ने शिकायत दर्ज कराई है कि लेखराम चौधरी और अजय चौधरी उसके घर पहुंचे। आते ही दोनों पुरानी रंजिश को लेकर विवाद करने लगे। जब महेंद्र ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो आरोपियों ने मारपीट कर दी। हंगामा बढ़ता देख जब महेंद्र की मां और भाभी उसे बचाने दौड़ीं, तभी वहां अंजलि चौधरी नामक महिला भी पहुंच गई। अंजलि ने पास पड़ी ईंट उठाकर महेंद्र की ब्रेजा कार पर दे मारी, जिससे कार के कांच टूट गए और वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। आरोपियों ने महेंद्र पर ईंट से वार किया।

सड़क पर फेंका कचरा, दस हजार का जुर्माना लगा

जबलपुर। सड़क पर कचरा फेंकने वाले प्रतिष्ठान पर नगर निगम ने 10,000 का जुर्माना लगाया है। दरअसल शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को नगर निगम की टीम ने अनुशासनहीनता और गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया है कि स्वच्छता से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चैहान, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन एवं सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि संभाग क्रमांक 13 के अंतर्गत आने वाले व्यस्ततम मालवीय चैक क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान अर्जुन पोहा संचालक की बड़ी लापरवाही सामने आई। दुकान बंद करने के बाद संचालक द्वारा उपयोग किए गए दोना-पत्तल सड़क पर ही फेंक दिए गए थे। शहर की सुंदरता और स्वच्छता को प्रभावित करने वाले इस कृत्य पर निगम प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित प्रतिष्ठान पर 10,000 रुपये का स्पॉट फाइन किया।

लापरवाही

आईवीएफ से नवजात देखभाल तक हुई चूक, जांच रिपोर्ट के बाद भी कार्रवाई नहीं

जुड़वा नवजातों की मौत में गंभीर लापरवाही उजागर

नवभारत, जबलपुर। खजरी खिरिया निवासी रामराज पटेल और उनकी पत्नी वंदना पटेल के जुड़वा नवजातों की मौत के मामले में चिकित्सा लापरवाही की गंभीर परतें सामने आई हैं। जांच रिपोर्ट में आईवीएफ उपचार से लेकर प्रसव और नवजात देखभाल तक कई स्तरों पर गंभीर चूक उजागर हुई है। बावजूद इसके अब तक किसी भी जिम्मेदार पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से पीड़ित परिवार में आक्रोश बना हुआ है।

ब्लड ग्रुप की गलत मान्यता बनी बड़ी वजह

जांच में पाया गया कि वंदना पटेल के ब्लड ग्रुप को लेकर बड़ी लापरवाही बरती गई। वर्ष 2022 और 2024 में इंदिरा आईवीएफ सेंटर में हुई जांचों में ब्लड ग्रुप अलग-अलग (एबी पॉजिटिव और एबी निगेटिव) दर्ज किया गया, लेकिन उपचार एबी पॉजिटिव मानकर किया गया। इस गंभीर त्रुटि के कारण जरूरी एंटी - डी इंजेक्शन नहीं लगाया गया और 'अप्रत्यक्ष कूम्ब्स परीक्षण' भी नहीं किया गया, जो प्रोटोकॉल के अनुसार अनिवार्य था।

प्रसव के दौरान भी नहीं बरती गई सावधानी

17 सितंबर 2025 को ऑपरेशन के माध्यम से दोनों बच्चों का जन्म हुआ। आरोप है कि डॉ. सोनल द्वारा मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री नहीं ली गई, जबकि दस्तावेज पहले से उपलब्ध

थे। जन्म के बाद बच्चों की हालत बिगड़ने के संकेत मिलने के बावजूद समय पर आवश्यक परीक्षण और उपचार नहीं किया गया।

रेफरल में देरी, बिगड़ती गई स्थिति

हालत बिगड़ने पर दोनों नवजातों को पहले गैलेक्सी अस्पताल और फिर नागपुर के किम्स अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। एक बच्चे की 19 सितंबर को और दूसरे की 20 सितंबर 2025 को मौत हो गई।

समय पर भी नहीं मिला ईलाज

जांच समिति ने इसे 'आरएच असंगति' का स्पष्ट मामला बताया है, जिसमें समय पर सही इलाज और निगरानी न मिलने के कारण नवजातों की जान चली गई। रिपोर्ट में डॉ. शुभाली शर्मा, डॉ. सोनल, डॉ. नंदन शर्मा और पैथोलॉजी से जुड़ी डॉ. पूजा जैन सहित संबंधित चिकित्सा व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए गए हैं।

13 साल बाद आई खुशियां मातम में बदलीं

रामराज पटेल के अनुसार, शादी के 13 वर्षों बाद 17 सितंबर 2025 को उनके घर जुड़वा पुत्रों का जन्म हुआ था। जन्म के समय दोनों बच्चे स्वस्थ बताए गए थे और परिवार में खुशी का माहौल था। लेकिन कुछ ही घंटों में हालात बदल गए और यह खुशी गहरे मातम में तब्दील हो गई।

पीलिया के लक्षणों को किया गया नजरअंदाज

परिजनों के अनुसार, जन्म के कुछ ही घंटों बाद बच्चों में पीलिया के लक्षण दिखाई देने लगे थे। कई बार जानकारी देने के बावजूद डॉक्टरों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और केवल धूप में रखने की सलाह दी। 24 घंटे तक कोई ब्लड टेस्ट नहीं कराया गया। जब स्थिति गंभीर हुई, तब जांच में बिलीरुबिन का स्तर अत्यधिक पाया गया, जो बच्चों के लिए जानलेवा साबित हुआ।

न्याय की आस में भटकता परिवार

गंभीर लापरवाही उजागर होने और जांच रिपोर्ट सामने आने के बावजूद अब तक दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहा है और सवाल उठा रहा है कि आखिर जिम्मेदारों को कब जवाबदेह ठहराया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।